

भारत सरकार  
संस्कृति मंत्रालय  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1358  
उत्तर देने की तारीख : सोमवार, 28 जुलाई, 2025  
06 श्रावण, 1947 (शक)  
नटराज मंदिर, चिदंबरम के शिलालेखों का प्रकाशन

1358. डॉ. डी. रवि कुमार:

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार को जानकारी है कि चिदंबरम स्थित नटराज मंदिर में चोल काल के अनेक शिलालेख हैं, जिनमें सबसे प्राचीन शिलालेख 10वीं शताब्दी ईस्वी में आदित्य चोल के शासनकाल का है, जो मंदिर के इतिहास और संरक्षण के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार की इन शिलालेखों को विद्वानों और जनता तक की पहुँच बनाने के लिए एक पुस्तक के रूप में प्रलेखित, संपादित और प्रकाशित करने की कोई योजना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को ऐसा प्रकाशन निःशुल्क या रियायती दर पर उपलब्ध कराने का विचार रखती है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है; और
- (घ) यदि नहीं, तो सरकार इन शिलालेखों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को देखते हुए, उन्हें संरक्षित, प्रकाशित और वितरित करने के लिए कोई परियोजना शुरू करने पर विचार कर रही है?

उत्तर  
संस्कृति और पर्यटन मंत्री  
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

- (क) और (ख): जी हाँ। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की पुरालेख शाखा ने चिदंबरम में अवस्थित नटराज मंदिर से 297 शिलालेखों की प्रतिलिपि बनाई है, जिसमें से सबसे प्राचीन राजेन्द्र-1 (1036 सी.ई.) के शासन काल की है।

इन सभी शिलालेखों का गूढ़वाचन, लिप्यंतरण और इनका सार वर्ष 1888 से 1963 की भारतीय पुरालेख की वार्षिक रिपोर्टों में प्रकाशित किया गया है। इनमें से 157 शिलालेखों के पाठ दक्षिण भारतीय शिलालेख के खंडों में प्रकाशित किए गए हैं।

- (ग) और (घ): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्रकाशित उपर्युक्त सभी प्रकाशन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कार्यालयों के विक्रय केन्द्रों, संरक्षित संस्मारकों, संग्रहालयों और पुरालेख शाखा में उपलब्ध हैं।

\*\*\*\*\*